कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (70) खण्ड - {139}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अपने आप से प्रतिज्ञा करनी है कि -

A- हर कदम श्रीमत पर चलेंगे

B- कभी भी रोयेंगे नहीं

C- झरमुई झगमुई (परचिंतन) नहीं करेंगे

D- सच्चे-सच्चे आशिक बन अपने माशूक को याद करेंगे

प्रश्न 2- यह पढ़ाई है इसमें अभी फेल हुए तो -

A- बहुत घाटा पड़ जाएगा

B- जन्म-जन्मान्तर, कल्प-कल्पान्तर फेल होते रहेंगे

C- पद भ्रष्ट हो जायेगा।

D- दास-दासियां बनेंगे

प्रश्न 3- 8 घण्टा -

A- कर्मयोगी बन कर्म करो

B- आराम करो

C- बाप को याद करो

D- A और C

E- A, B और C

प्रश्न 4- किस की शक्ल सदैव हर्षित रहेगी ?

A- रचयिता और रचना का सिमरण करने वाले की

B- फरिश्ते बनते हो तो

C- ज्ञानी की

D- निश्चय बुद्धि बच्चों की

प्रश्न 5- ..... से जागृति होती है ?

A- प्रदर्शनी से

B- अखबार से

C- ज्ञान से

D- भगवान के आने से

प्रश्न 6- कैसे बोलने से उसका प्रभाव पड़ता है ?

A- अथॉर्टी होकर

B- सदा न्यारा

C- आत्मिक रूप से

D- अनुभवी मूर्त होकर

प्रश्न 7- तुम भी याद की मेहनत में रहेंगे तो -

A- बहुत खुशी में रहेंगे।

B- साक्षात्कार होते रहेंगे।

C- बाप समान बन जायेंगे।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- साक्षात्कार कौन नहीं करेंगे -

A- जो नौधा भक्ति करते है।

B- शिवबाबा को याद करते हैं।

C- हम बाप समान बन जायेंगे, तो साक्षात्कार करते रहेंगे।

D- ब्रह्मज्ञानी भी साक्षात्कार करेंगे।

प्रश्न 9- अपना सब कुछ ..... के लिए ट्रांसफर करना है ?

A- नई दुनिया

B- 21 जन्मों के लिए

C- बाप के लिए

D- अगले जन्म के लिए

प्रश्न 10- भक्ति होती ही है किस के साथ ?

A- भगवान के साथ

B- शरीर के साथ

C- देवताओं के साथ

D- देह अभिमान के साथ

प्रश्न 11- ज्ञान से कौन सी आग खत्म हो जाती है ?

A- अज्ञान की

B- काम-क्रोध की

C- भक्ति की

D- विकार की

प्रश्न 12- पुरानी दुनिया को भूलने का आत्मिक बाम्ब है ?

A- मनमनाभव

B- स्मृति का स्विच

C- स्व की स्मृति

D- बाबा शब्द

प्रश्न 13- जो एक्टर्स हैं उनमें सर्वशक्तिमान कौन है ?

A- शिवबाबा

B- रावण

C- शिव बाबा और बच्चे

D- A और B

E- A,B और C

प्रश्न 14- सही क्रम पहचानिए ?

A- शिवबाबा ,ब्रह्मा विष्णु शंकर, लक्ष्मीनारायण

B- शिवबाबा ,लक्ष्मी- नारायण , ब्रह्मा विष्णु शंकर

C- ब्रह्मा विष्णु शंकर, शिवबाबा, लक्ष्मीनारायण

D- लक्ष्मीनारायण, ब्रह्मा विष्णु शंकर, शिव बाबा

प्रश्न 15- बाप की मिलकियत है ?

A- शान्तिधाम

B- सुखधाम

C- दुःखधाम

D- सुखधाम और शान्तिधाम

प्रश्न 16- कर्मेन्द्रियां कहां होती हैं ?

A- स्थूलवतन में

B- परमधाम में

C- सूक्ष्मवतन में

D- A और C

भाग (70) खण्ड {139} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.कभी भी रोयेंगे नहीं*

तुम बच्चों को अब अपने आपसे प्रतिज्ञा करनी है कि कुछ भी हो जाए - ऑसू नहीं बहायेंगे। फलाना मर गया, आत्मा ने जाकर दूसरा शरीर लिया, फिर रोने की क्या दरकार? वापिस तो आ नहीं सकते। आंसू आया - नापास हुए इसलिए बाबा कहते हैं *प्रतिज्ञा करो कि हम कभी रोयेंगे नहीं।* परवाह थी पार ब्रह्म में रहने वाले बाप की, वह मिल गया तो बाकी क्या चाहिए।

उत्तर 2- *B.जन्म-जन्मान्तर, कल्प-कल्पान्तर फेल होते रहेंगे*

बाप मिला है तो श्रीमत ले उस पर चलो। नहीं तो मुफ्त पद भ्रष्ट हो जायेंगे। *यह पढ़ाई है इसमें अभी फेल हुए तो जन्म-जन्मान्तर, कल्प-कल्पान्तर फेल होते रहेंगे।* अच्छी रीति पढ़ेंगे तो कल्प-कल्पान्तर अच्छी रीति पढ़ते रहेंगे

उत्तर 3- *E. A, B और C*

बाप समझाते हैं - बच्चे, सजाओं से छूटने के लिए *कम से कम 8 घण्टा कर्मयोगी बन कर्म करो, 8 घण्टा आराम करो और 8 घण्टा बाप को याद करो।* इसी प्रैक्टिस से तुम पावन बन जायेंगे। नींद करते हो, वह कोई बाप की याद नहीं है।

उत्तर 4- *A.रचयिता और रचना का सिमरत करने वाले की*

रचयिता और रचना का सिमरण करने वाले की शक्ल सदैव हर्षित रहेगी। बहुत हैं जिनका सिमरण होता

नहीं है। कर्म-बन्धन बड़ा भारी है। विवेक कहता है - जबकि बेहद का बाप मिला है, कहते हैं मुझे याद करो तो फिर क्यों न हम याद करें।

उत्तर 5- *C.ज्ञान से*

सब अज्ञान नींद में सोये पड़े हैं। ज्ञान से जागृति होती है। रोशनी में मनुष्य कभी धक्का नहीं खाते। अन्धियारे में धक्के खाते रहते। *तुम्हें ज्ञान से अच्छी जागृति आई है, तुम अपने 84 जन्मों को, निराकार और साकार बाप को जानते हो।*

उत्तर 6- *A.अथॉर्टी होकर*

जितना अपने अन्दर बाप का स्नेह इमर्ज होगा उतना ही स्नेह का वाण औरों को भी स्नेह में घायल कर देगा। भाषण की लिंक सोचना, प्वाइंट दुहराना - यह स्वरूप नहीं हो, स्नेह और प्राप्ति का सम्पन्न स्वरूप,

लवलीन स्वरूप हो। *अथॉर्टी होकर बोलने से उसका प्रभाव पड़ता है।*

उत्तर 7- *D.बाप समान बन जायेंगे*

भक्ति में भी मेहनत होती है, इसमें भी मेहनत चाहिए। मेहनत का रास्ता बाबा बहुत फर्स्टक्लास बताते रहते हैं। अपने को आत्मा समझने से फिर देह का भान ही नहीं रहेगा। *जैसे बाप समान बन जायेंगे* साक्षात्कार करते रहेंगे। खुशी भी बहुत रहेगी।

उत्तर 8- *D.ब्रह्मज्ञानी भी साक्षात्कार करेंगे*

बाबा ने समझाया है ब्रह्म ज्ञानी भी ऐसे शरीर छोड़ते हैं। हम आत्मा हैं, परमात्मा में लीन होना है। लीन कोई होते नहीं हैं। हैं ब्रह्म ज्ञानी। बाबा ने देखा है बैठे-बैठे शरीर छोड़ देते हैं। वायुमण्डल बड़ा शान्त रहता है, सन्नाटा हो जाता है। सन्नाटा भी उनको भासेगा जो ज्ञान मार्ग में होंगे, शान्त में रहने वाले होंगे।

उत्तर 9- *A.नई दुनिया*

बाप गरीब बच्चों को साहूकार बनने की युक्ति बताते हैं - मीठे बच्चे, तुम्हारे पास जो कुछ भी है ट्रांसफर कर दो। यहाँ तो कुछ भी रहना नहीं है। *यहाँ जो ट्रांसफर करेंगे वह नई दुनिया में तुमको सौ गुणा होकर मिलेगा।* बाबा कुछ मांगते नहीं हैं। वह तो दाता है, यह युक्ति बताई जाती है।

उत्तर 10- *B.शरीर के साथ*

यहाँ तुम बच्चों को कहा जाता है आत्म-अभिमानी बनो, इसमें ही मेहनत लगती है। अब भक्ति तो छूटी। *भक्ति होती ही है शरीर के साथ।* तीर्थों आदि पर शरीर को ले जाना पड़ता है। दर्शन करना है, यह करना है। शरीर को जाना पड़े। यहाँ तुमको यही चिंतन करना है कि हम आत्मा हैं, हमको परमपिता परमात्मा बाप को याद करना है।

उत्तर 11- *B.काम-क्रोध की*

मीठे बच्चे - यह ज्ञान तुम्हें शीतल बनाता है, *इस ज्ञान से काम-क्रोध की आग खत्म हो जाती है,* भक्ति से वह आग खत्म नहीं होती ।

उत्तर 12- *D.बाबा शब्द*

ऐसे प्रीत बुद्धि बन स्मृति का स्विच ऑन करो तो देह और देह की दुनिया की स्मृति का स्विच ऑफ हो जायेगा। यह सेकण्ड का खेल है। मुख से बाबा कहने में भी टाइम लगता है लेकिन स्मृति में लाने में टाइम नहीं लगता। *यह बाबा शब्द ही पुरानी दुनिया को भूलने का आत्मिक बाम्ब है।*

उत्तर 13- *D. A और B*

बाप सर्वशक्तिमान है या ड्रामा? ड्रामा है फिर उनमें *जो एक्टर्स हैं उनमें सर्वशक्तिमान कौन है? शिवबाबा।

और फिर रावण।* आधाकल्प है राम राज्य, आधाकल्प है रावण राज्य। घड़ी-घड़ी बाप को लिखते हैं हम बाप की याद भूल जाते हैं। उदास हो जाते हैं।

उत्तर 14- *A.शिवबाबा,ब्रह्मा विष्णु शंकर, लक्ष्मीनारायण*

अभी तुम समझ से बोलते हो। हर एक मूर्ति के आक्यूपेशन को तुम जानते हो। बुद्धि में यह पक्का है कि *ऊंच ते ऊंच शिवबाबा है, जिसकी हम सन्तान हैं। अच्छा, फिर सूक्ष्मवतनवासी ब्रह्मा-विष्णु-शंकर,फिर विष्णु के दो रूप यह लक्ष्मी-नारायण हैं।*

उत्तर 15- *B.सुखधाम*

एक है शान्तिधाम, दूसरा है सुखधाम। *सुखधाम है बाप की मिलकियत* और दु:खधाम है रावण की मिलकियत। 5 विकारों में फँसने से दु:ख ही दु:ख है। अब बच्चे जानते हैं - हम बाबा के पास आये हैं। वह बाप भी

है, शिक्षक भी है परन्तु है निराकार। हम निराकारी आत्माओं को पढ़ाने वाला भी निराकार है।

उत्तर 16- *D. A और C*

बाप कहते हैं मैं इस ब्रह्मा तन द्वारा तुमको बैठ समझाता हूँ। मुझे भी आरगन्स चाहिए ना। मुझे अपनी कर्मेन्द्रियां तो हैं नहीं। *स्थूलवतन मे कर्मेंद्रियों से कर्म करते हैं, सूक्ष्मवतन में भी कर्मेन्द्रियां हैं।* चलते फिरते जैसे मूवी बाइसकोप होता,यह मूवी टॉकी बाइसकोप निकले हैं तो बाप को भी समझाने में सहज होता है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (70) खण्ड - {140}

प्रश्न 1- आधाकल्प देवताओं का राज्य चलता है फिर वह राज्य कहाँ चला जाता, कौन जीत लेते हैं ?

A- रावण जीत लेता है।

B- बाकी धर्म वाले जीत लेते है।

C- नीचे चला जाता है।

D- आत्मा की तमोप्रधानता।

प्रश्न 2- अभी तुम किस के लिए पुरूषार्थ कर रहे हो ?

A- संपूर्ण पावन बनने के लिए

B- लक्ष्मी-नारायण बनने के लिए

C- मरने के लिए

D- देवता बनने के लिए

प्रश्न 3- बल किस को कहेंगे ?

A- योगबल

B- साइंस बल

C- बाहुबल

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- इस सृष्टि ड्रामा के अन्दर किस का मुख्य पार्ट है ?

A- शिव बाबा का

B- लक्ष्मी-नारायण का

C- ब्रह्मा का

D- हम आत्मा का

प्रश्न 5- कौन से चित्रों में ब्राह्मणों को और शिव को गुम कर दिया है ?

A- त्रिमूर्ति के

B- ब्राह्मण चोटी

C- विराट रूप

D- गीता के

प्रश्न 6- हर वर्ष रावण को क्यों जलाते आते

A- दुख देने वाला है।

B- 5 विकार हैं।

C- रावणराज्य है इसलिए।

D- दुश्मन है।

प्रश्न 7- भारत खण्ड है -

A- स्वर्ग बनता है

B- महिमा अपरमअपार है।

C- भारतवासी ही फिर 84 जन्म लेते हैं।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- बाप के साथ-साथ महिमा और किसकी है ?

A- भारत की

B- गीता की

C- तुम चैतन्य ज्ञान गंगाओं

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- .....वर्ष से लेकर अपनी जीवन कहानी याद रहती है। अगर भूल गया तो डल बुद्धि कहेंगे। -

A- 5

B- 4

C- 6

D- 8

प्रश्न 10- कौन सी बात को स्वीकार किया तो यह तुमने जीत पहनी ?

A- भगवान आया हुआ है।

B- गीता का ज्ञान दाता श्रीकृष्ण नहीं है।

C- श्रीकृष्ण की महिमा ही अलग है।

D- शिवबाबा मनुष्य सृष्टि का बीजरूप है।

प्रश्न 11- पतित दुनिया में कौन पतित है ?

A- आत्मा

B- शरीर

C- मनुष्य

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- कितने जन्म में तुम्हारी चढ़ती कला होती है ?

A- 1

B- 21

C- 84

D- 8

प्रश्न 13- गंगा में जाकर डुबकी क्यो लगाते हैं ?

A- पापों का नाश करने के लिए

B- समझते हैं पुण्य है।

C- समझते हैं गंगा पतित-पावनी है।

D- समझते हैं गंगा दुख हरनी है।

प्रश्न 14- वर्तमान समय सबसे अच्छा कर्म कौन सा है ?

A- मन्सा, वाचा, कर्मणा अन्धों की लाठी बनना।

B- मुक्ति-जीवनमुक्ति का रास्ता बताना।

C- विचार सागर मंथन करना।

D- हर कर्म योग युक्त हो करना।

प्रश्न 15- अपना गेट है ?

A- गेटवे टू हेवन

B- गेट-वे ऑफ इन्डिया

C- इन्डिया गेट

D- गेट ऑफ मुक्ति जीवनमुक्ति

प्रश्न 16- कब आत्मा अपना मित्र बनती है ?

A- संगमयुग में

B- सतयुग में

C- परमधाम में

D- सतयुग त्रेता में

भाग (70) खण्ड {140} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.रावण जीत लेता है*

आधाकल्प देवताओं का राज्य चलता है फिर वह राज्य कहाँ चला जाता, कौन जीत लेते हैं? यह भी किसको पता नहीं। बाप कहते हैं रावण जीत लेता है। उन्होंने फिर देवताओं और असुरों की लड़ाई बैठ दिखाई है।

उत्तर 2- *C.मरने के लिए*

अभी तुम मरने के लिए पुरूषार्थ कर रहे हो। बाप कहते हैं देह सहित देह के सब सम्बन्ध छोड़ एक बाप से सम्बन्ध रखना है। अब जाना ही है सुख के सम्बन्ध में। दु:ख के बन्धनों को भूलते जायेंगे। गृहस्थ व्यवहार में रहते पवित्र बनना है। बाप कहते हैं मामेकम् याद करो, साथ-साथ दैवीगुण भी धारण करो।

उत्तर 3- *D.उपरोक्त सभी*

तुम फिर योगबल से इस सृष्टि को पावन बना रहे हो। माया पर तुम जीत पाकर जगत जीत बनते हो। *योगबल को साइंस बल भी कहा जाता है। उन्हों का है बाहुबल, तुम्हारा है योगबल।* वह दो भाई भी अगर आपस में मिल जाएं तो विश्व पर राज्य कर सकते हैं। परन्तु अभी तो फूट पड़ी हुई है।

उत्तर 4- *D.हम आत्मा का*

बच्चों ने ओम् शान्ति का अर्थ समझा है, बाप ने समझाया है हम आत्मा हैं, *इस सृष्टि ड्रामा के अन्दर हमारा मुख्य पार्ट है। किसका पार्ट है? आत्मा शरीर धारण कर पार्ट बजाती है।* तो बच्चों को अब आत्म-अभिमानी बना रहे हैं। इतना समय देह-अभिमानी थे।

उत्तर 5- *C.विराट रूप*

मनुष्यों की बुद्धि तमोप्रधान है तो समझते नहीं। इतने बी.के. हैं तो जरूर प्रजापिता ब्रह्मा भी होगा। ब्राह्मण हैं चोटी, ब्राह्मण फिर देवता, *विराट रूप के चित्र में ब्राह्मणों को और शिव को गुम कर दिया है।* तुम ब्राह्मण अभी भारत को स्वर्ग बना रहे हो।

उत्तर 6- *D.दुश्मन है*

मनुष्य तो कुछ भी नहीं जानते, रावण राज्य है ना। हर वर्ष रावण को जलाते आते हैं परन्तु रावण है कौन, यह नहीं जानते। तुम बच्चे जानते हो - *यह रावण भारत

का सबसे बड़ा दुश्मन है।* यह नॉलेज तुम बच्चों को ही नॉलेजफुल बाप से मिलती है।

उत्तर 7- *D.उपरोक्त सभी*

भारत खण्ड ही स्वर्ग बनता है, और कोई खण्ड स्वर्ग नहीं बनता। बच्चों को समझाया गया है - नई दुनिया सतयुग में भारत ही होता है। *भारत ही स्वर्ग कहलाता है। भारतवासी ही फिर 84 जन्म लेते हैं* , नर्कवासी बनते हैं। वही फिर स्वर्गवासी बनेंगे। इस समय सभी नर्कवासी हैं फिर भी और सभी खण्ड विनाश हो बाकी भारत रहेगा। *भारत खण्ड की महिमा अपरमअपार है।*

उत्तर 8- *D.उपरोक्त सभी*

बाप के साथ भारत की महिमा भी बहुत है। भारत ही अविनाशी खण्ड है। भारत ही स्वर्ग बनता है। बाप ने भारतवासियों को ही धनवान, सुखी और पवित्र बनाया है। *गीता की भी अपरमअपार महिमा है

सर्वशास्त्रमई शिरोमणी गीता है। तुम चैतन्य ज्ञान गंगाओं की भी बहुत महिमा है।* तुम डायरेक्ट ज्ञान सागर से निकली हो।

उत्तर 9- *C. 6*

अभी तुम बच्चों को सारी स्मृति रखनी है। इस जन्म में जो पाप किये हैं, हर एक आत्मा को अपने जीवन का तो पता है ना। कोई मंदबुद्धि, कोई विशाल बुद्धि होते हैं। छोटेपन की हिस्ट्री याद तो रहती है ना। *6 वर्ष से लेकर अपनी जीवन कहानी याद रहती है। अगर भूल गया तो डल बुद्धि कहेंगे।* बाप कहते हैं अपनी जीवन कहानी लिखो। लाइफ की बात है ना।

उत्तर 10- *B.गीता का ज्ञानदाता श्रीकृष्ण नहीं है*

बाप खुद कहते हैं - मैं मनुष्य सृष्टि का बीजरूप हूँ। मैं ज्ञान का सागर, प्रेम का सागर, सर्व का सद्गति दाता हूँ। श्रीकृष्ण की महिमा ही अलग है। तो यह पूरा कान्ट्रास्ट

लिखना चाहिए। जो मनुष्य पढ़ने से झट समझ जाएं कि *गीता का ज्ञान दाता श्रीकृष्ण नहीं है, इस बात को स्वीकार किया तो यह तुमने जीत पहनी।*

उत्तर 11- *D.उपरोक्त सभी*

इस नर्क में यह अन्तिम जन्म है। इन आंखों से जो देखते हैं, जानते हैं *यह पुरानी दुनिया, पुराना पतित शरीर है, पतित दुनिया में आत्मा भी पतित है, मनुष्य भी पतित हैं।* पावन दुनिया में मनुष्य भी पावन, पतित दुनिया में मनुष्य भी पतित रहते हैं। यह है ही रावण राज्य।

उत्तर 12- *A. 1*

वेद शास्त्र, उपनिषद आदि यह सब हैं भक्ति के। आधाकल्प भक्ति चलती है और आधाकल्प फिर ज्ञान की प्रालब्ध चलती है। भक्ति करते-करते उतरना ही है। 84 पुनर्जन्म लेते नीचे उतरते हैं। *फिर एक जन्म में तुम्हारी चढ़ती कला होती है।* इसको कहा जाता है ज्ञान

मार्ग। ज्ञान के लिए गाया हुआ है एक सेकण्ड में जीवनमुक्ति।

उत्तर 13- *C.समझते हैं गंगा पतित- पावनी है*

दु:ख हर्ता सुख कर्ता तो परमपिता परमात्मा है ना। वह है ही दु:ख हरने वाला। *वह फिर गंगा में जाकर डुबकी लगाते हैं। समझते हैं गंगा पतित-पावनी है।* सतयुग में गंगा को दु:ख हरनी पाप कटनी नहीं कहेंगे। साधू सन्त आदि सब जाकर नदियों के किनारे बैठते हैं। सागर के किनारे क्यों नहीं बैठते हैं? अभी तुम बच्चे सागर के किनारे बैठे हो।

उत्तर 14- *A.मन्सा, वाचा, कर्मणा अन्धों की लाठी बनना*

वर्तमान समय सबसे अच्छा कर्म है मन्सा, वाचा, कर्मणा अन्धों की लाठी बनना। तुम बच्चों को विचार सागर मंथन करना चाहिए कि ऐसा कौन-सा शब्द लिखें

जो मनुष्यों को घर का (मुक्ति का) और जीवनमुक्ति का रास्ता मिल जाए। मनुष्य सहज समझ लें कि यहाँ शान्ति सुख की दुनिया में जाने का रास्ता बताया जाता है।

उत्तर 15- *D.गेट ऑफ मुक्ति जीवन मुक्ति*

यहाँ बाम्बे को कहते हैं गेट-वे ऑफ इन्डिया। स्टीमर पहले बाम्बे में ही आते हैं। देहली में भी इन्डिया गेट है। *अब अपना यह है गेट ऑफ मुक्ति जीवनमुक्ति।* दो गेट्स हैं ना। हमेशा गेट दो होते हैं इन और आउट। एक से आना, दूसरे से जाना। यह भी ऐसे है - हम नई दुनिया में आते हैं फिर पुरानी दुनिया से बाहर निकल अपने घर चले जाते हैं।

उत्तर 16- *A.संगमयुग में*

कहा जाता है, आत्मा अपना ही शत्रु, अपना ही मित्र है, सच्ची मित्रता है एक बाप को याद कर पावन बनना और बाप से पूरा वर्सा लेना। यह मित्रता करने की युक्ति

बाप ही बतलाते हैं। *संगमयुग पर ही आत्मा अपना मित्र बनती है।*